खण्ड—क
(अपठित बोध)

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा नीचे दिए गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर उत्तर लिखिए—1 × 5 = 5

माटी के बरतनों और माटी की मूर्तियों की एक सुदीर्घ परम्परा हमारे देश में रही है। माटी का दीया तो सदियों से बहुतेरे घरों में जलता ही रहा है। आधुनिक जमाने में भी माटी की यह महिमा हमारे देश में कम नहीं हुई। आधुनिक उपकरणों ने शहरी जीवन में माटी की जगह भले ही छीनी हो, लेकिन यहाँ भी कम-से-कम पानी भरा मटका अभी भी बचा हुआ है, जिसका पानी पीना बहुतों को अच्छा लगता है। माटी के गमले भी क्या शहर, क्या गाँव, सब जगह दिखाई पड़ते हैं। दिल्ली जैसे शहर की ही बात करें तो हर गली-मुहल्ले में रेहड़ी पर भी मिट्टी के गमले बेचने वाले मिल जायेंगे। माटी की सज्जात्मक वस्तुएँ भी शहरों में काफी बिकने लगी हैं। कई आधुनिक घरों में आपको माटी के बड़े-बड़े मटके भी सजे हुए मिलेंगे, जो कभी अन्न रखने के काम आया करते थे, लेकिन माटी की चीजों के इस प्रचलन से यह नहीं मान लेना चाहिए कि हमारे कुम्भकार की हालत बेहतर हो गयी है। वह तो लगभग जहाँ का तहाँ है और कई आँकड़े उपलब्ध नहीं हैं, लेकिन यह एक सच्चाई है कि अब कुम्भकार के पेशे को स्वयं कुम्भकार की नई पीढ़ियाँ चाव से नहीं अपनाना चाहतीं। यह भी एक सच्चाई है कि और चीजों की कीमतें चाहे जितनी बढ़ी हों, लेकिन मिट्टी के बरतनों और मिट्टी से बनायी गयी चीजों की कीमतें बढ़ी भी हैं, तो ज्यादा नहीं।

(क) हमारे देश में मिट्टी से बनी वस्तुओं की सुदीर्घ परम्परा दर्शाती है कि मिट्टी के प्रति हम— 1

(i) रुचि रखते रहे हैं (ii) मिट्टी के सहज रूप से प्रेम करते थे

(iii) अब उदासीन हो गये हैं (iv) सांस्कृतिक रूप से जुड़े हुए हैं।

(ख) कुम्भकार की स्थिति नहीं सुधरी, क्योंकि— 1

(i) आजकल मिट्टी की वस्तुओं का प्रयोग नहीं होता

(ii) मिट्टी की कीमतें नहीं बढ़ीं

(iii) मिट्टी की बनी वस्तुओं की कीमतें कम हो गयी हैं

(iv) कुम्भकारों को परिश्रम का उचित मूल्य नहीं मिलता।

(ग) आजकल कुछ लोगों के घर पानी के मटके भी रखे जाते हैं— 1

(i) अन्न रखने के लिए (ii) सजावट के लिए

(iii) परम्परा निभाने के लिए (iv) पानी पीने के लिए।

(घ) पहले अन्न रखने के लिए प्रयोग में आने वाले बड़े मटकों को आजकल कुछ आधुनिक घरों में रखा जाता है— 1

(i) अन्न रखने के लिए (ii) पानी भरने के लिए

(iii) सज्जात्मक सामान के रूप में सुसज्जित (iv) केवल परम्परा के लिए।

(ङ) दिल्ली जैसे बड़े शहरों में रेहड़ी पर मिट्टी के बने हुए बिकाऊ सामान में होते हैं— 1

(i) छोटे-छोटे मटके (ii) मिट्टी की बनी चौड़ी तश्तरियाँ

(iii) मिट्टी के गमले (iv) कुल्हड़ और सकोरे।

2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा पूछे गए प्रश्नों के लिए सही विकल्प चुनकर उत्तर लिखिए—1 × 5 = 5